भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 736

दिनांक 29.11.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

श्रीलंका की नौसेना द्वारा भारतीय मछुआरों पर हमला

736. **श्री ए. राजाः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हाल ही में तमिलनाडु के संसद सदस्यों और मुख्यमंत्री से श्रीलंका की नौसेना द्वारा विशेषकर सितम्बर से नवम्बर माह में किए गए भारतीय मछुआरों पर लगातार हमले के संबंध में कोई अभ्यावेदन/पत्र प्राप्त हुए हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या श्रीलंका की नेवी द्वारा गिरफ्तार किए गए किसी मछुआरे को आज भी हिरासत में रखा गया है या अदलाती कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा गिरफ्तार मछुआरों, को राहत प्रदान करने तथा जब्त किए गए ट्रॉलरों/नौकाओ की बरामदगी के लिए भारत द्वारा क्या कार्रवाई की गई/प्रस्तावित है;

(ड.) क्या इस मुद्दे के समाधान के लिए श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के साथ चर्चा की गई; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री कीर्ति वर्धन सिंह]

(क) एवं (ख) मंत्रालय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री, कुछ संसद सदस्यों और विभिन्न राजनीतिक हस्तियों से श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा भारतीय मछुआरों के पकड़े जाने के संबंध में पत्र प्राप्त हुए हैं।

(ग) से (च) भारतीय मछुआरों को समय-समय पर श्रीलंकाई प्राधिकारियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने तथा श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 22 नवंबर 2024 तक 141 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की हिरासत में हैं, जिनमें से 45 मछुआरे अभियोगाधीन हैं जबकि 96 वर्तमान में सजा काट रहे हैं। नौकाओं के संबंध में, कुल 198 मछली पकड़ने वाली भारतीय नौकाएं वर्तमान में श्रीलंका के कब्ज़े में हैं। गिरफ्तार भारतीय मछुआरों को कोलंबो स्थित हमारे उच्चायोग और जाफना स्थित कोंसलावास द्वारा सभी आवश्यक कोंसली और कानूनी सहायता प्रदान की गई है। निरंतर राजनीतिक प्रयासों से सरकार ने 363 मछुआरों की रिहाई और उनका प्रत्यावर्तन सुनिश्चित किया है, तथा 12 अतिरिक्त मछुआरों को रिहा कर दिया गया है, तथा वर्तमान में उनके प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया चल रही है।

भारत सरकार भारतीय मछुआरों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। सरकार भारतीय मछुआरों और मछली पकड़ने वाली नौकाओं की शीघ्र रिहाई और प्रत्यावर्तन सहित मछुआरों से संबंधित मुद्दों को प्राथमिकता दे रही है। हाल ही में विदेश मंत्री ने 04 अक्टूबर 2024 को कोलंबो की अपनी यात्रा के दौरान श्रीलंका के नए राजनीतिक नेतृत्व के साथ बैठक में भी यह मामला उठाया था।

श्रीलंका सरकार से बार-बार अनुरोध किया गया है कि वह मछुआरों के मुद्दे को मानवता और आजीविका से जुड़े मामलों के रूप में देखे। इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि किसी भी परिस्थिति में बल का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

*****